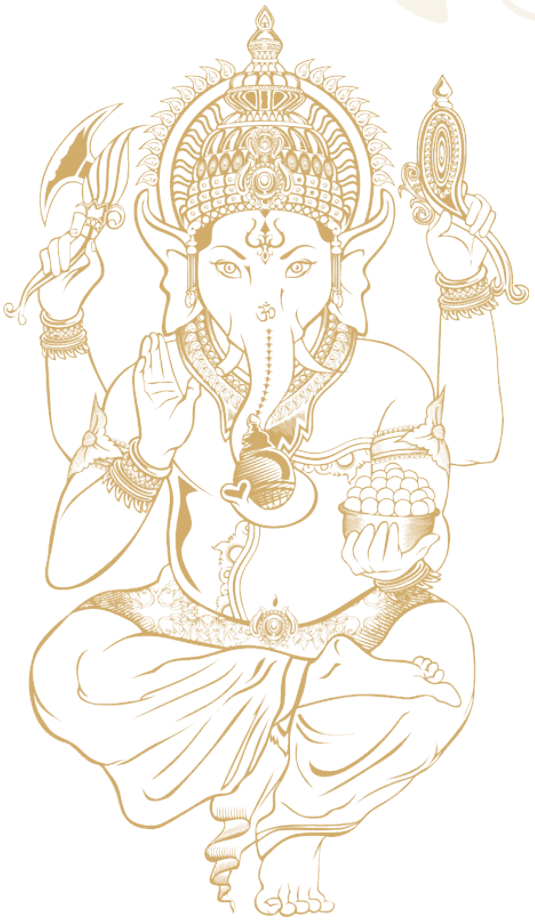

Anupam

26 Sep 1994

09:55 AM

Bhind

Model: web-freekundliweb

Order No: 121695207

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/09/1994**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**09:55:00 घंटे**
इष्ट	09:35:00 घटी
स्थान	**Bhind**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:33:00 उत्तर
रेखांश	78:47:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:14:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:40:08 घंटे
वेलान्तर	00:08:31 घंटे
साम्पातिक काल	09:59:08 घंटे
सूर्योदय	06:04:59 घंटे
सूर्यास्त	18:07:15 घंटे
दिनमान	12:02:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	09:04:25 कन्या
लग्न के अंश	28:49:22 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	सिद्धि
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वी-वीरसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	28:49:22	310:28:39	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	---
सूर्य			कन्या	09:04:25	00:58:49	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	सम राशि
चंद्र			वृष	18:52:25	11:51:14	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	मूलत्रिकोण
मंगल			कर्क	01:20:13	00:35:06	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	नीच राशि
बुध			तुला	05:04:12	00:59:28	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	मित्र राशि
गुरु			तुला	20:21:23	00:11:23	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	19:14:43	00:32:06	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	मूलत्रिकोण
शनि	व		कुंभ	13:27:10	00:03:52	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
राहु			तुला	21:45:27	00:01:39	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु			मेष	21:45:27	00:01:39	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
हर्ष	व		धनु	28:36:56	00:00:18	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
नेप	व		धनु	26:47:55	00:00:13	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
प्लूटो			वृश्चि	02:12:59	00:01:38	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			सिंह	03:48:33	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:13

लग्न-चलित

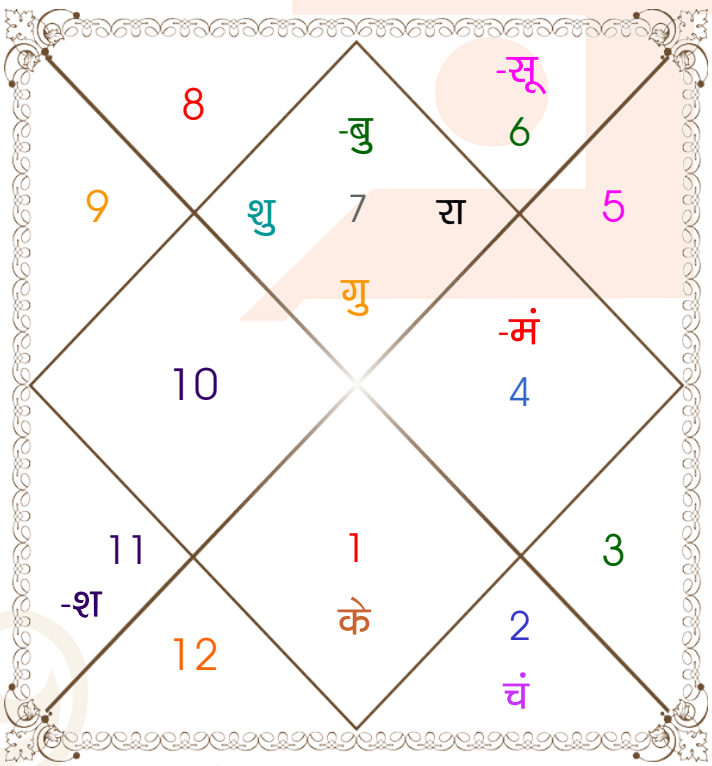

चन्द्र कुंडली

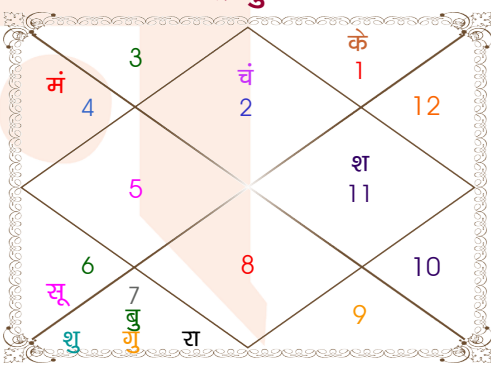

नवमांश कुंडली

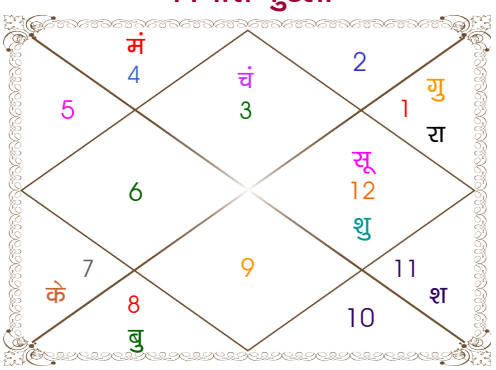

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 3 वर्ष 4 मास 4 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
26/09/1994		30/01/1998		29/01/2005		30/01/2023		30/01/2039	
30/01/1998		29/01/2005		30/01/2023		30/01/2039		30/01/2058	
	00/00/0000	मंगल	28/06/1998	राहु	13/10/2007	गुरु	19/03/2025	शनि	02/02/2042
	00/00/0000	राहु	16/07/1999	गुरु	07/03/2010	शनि	30/09/2027	बुध	12/10/2044
	00/00/0000	गुरु	21/06/2000	शनि	11/01/2013	बुध	05/01/2030	केतु	21/11/2045
	00/00/0000	शनि	31/07/2001	बुध	31/07/2015	केतु	12/12/2030	शुक्र	20/01/2049
	26/09/1994	बुध	28/07/2002	केतु	18/08/2016	शुक्र	12/08/2033	सूर्य	02/01/2050
बुध	01/05/1995	केतु	24/12/2002	शुक्र	19/08/2019	सूर्य	31/05/2034	चंद्र	04/08/2051
केतु	30/11/1995	शुक्र	23/02/2004	सूर्य	12/07/2020	चंद्र	30/09/2035	मंगल	11/09/2052
शुक्र	31/07/1997	सूर्य	30/06/2004	चंद्र	11/01/2022	मंगल	05/09/2036	राहु	19/07/2055
सूर्य	30/01/1998	चंद्र	29/01/2005	मंगल	30/01/2023	राहु	30/01/2039	गुरु	30/01/2058

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
30/01/2058		30/01/2075		30/01/2082		31/01/2102		31/01/2108	
30/01/2075		30/01/2082		31/01/2102		31/01/2108		00/00/0000	
बुध	27/06/2060	केतु	28/06/2075	शुक्र	31/05/2085	सूर्य	20/05/2102	चंद्र	30/11/2108
केतु	24/06/2061	शुक्र	27/08/2076	सूर्य	31/05/2086	चंद्र	19/11/2102	मंगल	02/07/2109
शुक्र	24/04/2064	सूर्य	02/01/2077	चंद्र	30/01/2088	मंगल	27/03/2103	राहु	31/12/2110
सूर्य	01/03/2065	चंद्र	03/08/2077	मंगल	31/03/2089	राहु	18/02/2104	गुरु	01/05/2112
चंद्र	31/07/2066	मंगल	30/12/2077	राहु	31/03/2092	गुरु	07/12/2104	शनि	01/12/2113
मंगल	28/07/2067	राहु	18/01/2079	गुरु	30/11/2094	शनि	19/11/2105	बुध	27/09/2114
राहु	14/02/2070	गुरु	25/12/2079	शनि	30/01/2098	बुध	25/09/2106		00/00/0000
गुरु	22/05/2072	शनि	01/02/2081	बुध	30/11/2100	केतु	31/01/2107		00/00/0000
शनि	30/01/2075	बुध	30/01/2082	केतु	31/01/2102	शुक्र	31/01/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 3 वर्ष 4 मा 0 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण लग्न भी उदित था। प्रस्तुत ज्योतिषीय आकृति के अनुसार यह स्मरणीय है कि आप में दुर्भावनाओं से युक्त नकारात्मक गुण विद्यमान है। आप सौभाग्यशाली हैं। आप वैक्तिक विशेषता के प्रभाव से समुचित धन सम्पत्ति युक्त जीवन, बिना किसी भी इच्छा के अनुरूप समुचित ढंग से व्यतीत करेंगे।

आपकी चारित्रिक नाकारात्मक उत्कंठा अन्यों के विकास के लिए असहयनीय है। आप जब किसी को धन संचय करते हुए अथवा संपत्ति अर्जन करते देखते हों तब आप इर्ष्यात्मक प्रवृति से युक्त होकर उसके कार्य को नष्ट करने के लिए सुनिश्चित होकर उसके पीछे पड़ कर खुद प्राप्त न कर उसे बिगाड़ देना ठीक समझते हो। इसके संबंध में आपको क्या करना चाहिए यह रहस्य अन्यों की अपेक्षा आप स्वयं जानते है। आप लापरवाही से अपनी बड़ाई के लिए बहुत अधिक लोगों पर प्रभाव जमाते हों। यह प्रवृति आपको मात्र अप्रसिद्ध ही नहीं बनाता बल्कि सर्वदा आपके प्रगति के पथ पर अनेकों प्रकार से विरोध प्रदर्शन करते हैं।

आप में सामान्य ज्ञान और सक्षमता विद्यमान है कि आप प्रतिपक्ष पर विजय प्राप्त कर लेते हों परंतु आप अनेकों को अपना स्थायी शत्रु बना लेते हैं। इस प्रकार आप कठिन श्रम संपादन हेतु उपयुक्त हो। मुख्यतः आप अपनी आयु की प्रथम अवधि 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वें वर्ष से 34 वे वर्ष के मध्य काफी धन संपत्ति का उपार्जन एवं लाभ प्राप्त करेंगे। आप अपनी आय का यथेष्ठ अंश अपने निरंतर भ्रमण पर तथा अपने घर को नवीनतम साज-शय्याओं से युक्त करने पर व्यय करेंगे।

आप अपना परिवार जीवन सुखदपूर्ण व्यतीत करेंगे। आप स्वयं के सुख हेतु सुव्यवस्था पूर्वक सभी इंतजाम करेंगे। आप निःसंदेह पूर्वक अपनी समझदार पत्नी एवं बच्चों से बहुत स्नेह रखेंगे। परंतु आप सदैव वासनात्मक भावनाओं से चिंतित रह सकते है तथा विपरीत योनि के प्रति आकर्षित रहेंगे। क्योंकि आपकी आकर्षक आंखे विपरीत योनि को आकर्षित करती हैं। आपको इस प्रकार की रोमांचित प्रवृति के प्रति झुकाव नहीं रखकर अपने सहज परिवारिक जीवन को आनंदित रखने के लिए आश्वस्त होना चाहिए।

आप अपने लिए योग्य एवं उपयुक्त जीवन संगिनी का चुनाव कर सकते हैं जिसका जन्म मिथुन अथवा कुंभ राशि में हुआ हो। परंतु आप मीन राशि, मकर एवं कर्क राशि के जातक का चयन कर अपने सामान्य जीवन को संघर्षपूर्ण करेंगे।

आपका स्वास्थ्य अधिकांशतः सुंदर एवं ठीक रहेगा। परंतु इसके अतिरिक्त ऐसी संभावना है कि आप कतिपय रोगों से प्रभावित भी हो सकते हैं यथा डायविटिज, किडनी की परेशानी तथा बाद में ट्यूमर युक्त रोग की आशंका है। अतः आपको इस रोग के प्रति सुरक्षात्मक कदम उठाना चाहिए।

आपके लिए अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक लाभदायक है। परंतु 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।